(राजस्थान–सरकार)

न्यायालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, बारॉ (राज.)

पीठासीन अधिकारी मोहम्मद अबूबक्र (आर.ए.एस.)

प्रकरण संख्या :– 16 / 2020

बउनवान

राज0 सरकार जर्ये :– श्री राजेश कुमार रामचन्दानी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारॉ

(प्रार्थी)

बनाम

1. श्री विनोद कुमार पुत्र पुरषौत्तम अग्रवाल उम्र 42 वर्ष वगैरह जाति अग्रवाल निवासी सब्जी मण्डी के पास वार्ड नं. 12 अंता(मौके पर मौजूद विक्रेता) श्री नाथ ट्रेडिंग कम्पनी, पंचायत समिति के पास अंता जिला बारां।
2. श्री विनोद कुमार गोयल पुत्र रामावतार गोयल निवासी चाँदखेड़ी मन्दिर मार्ग खानपुर जिला झालावाड़। मैसर्स गोयल किराना स्टोर चाँद खेड़ी मन्दिर मार्ग खानपुर जिला झालावाड़–326038

(अप्रार्थीगण)

जुर्म अन्तर्गत धारा 26 की उप धारा 2 (।।) एफएसएस एक्ट 2006 एवं विनियम 2011

उपस्थिति :– 1– श्री राजेश रामचन्दानी खा.सु.अ. (प्रार्थी स्वंय)
2– स्वयं उपस्थित (अप्रार्थी क्रम 1)
3– अनुपस्थित (अप्रार्थी क्रम 2)

निर्णय दिनांक 05.08.2020

प्रकरण राजस्थान सरकार जर्ये :– श्री राजेश कुमार रामचन्दानी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारॉ द्वारा इस आशय का पेश किया कि आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिनांक 24.10.2019 को श्री नाथ ट्रेडिंग कम्पनी, पंचायत समिति के पास अंता जिला बारां पर पहुंचा। वहॉ पर श्री विनोद कुमार पुत्र पुरषौत्तम अग्रवाल (मौके पर मौजूद विक्रेता) की हैसियत से उपस्थित था, कि उपस्थिति में निरीक्षण किया गया।

मैं राजेश कुमार रामचन्दानी दिनांक 24.10.2019 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बारॉ मे खाद्य सुरक्षा अधिकारी का कार्य सम्पादित कर रहा था और मुझे राज्य सरकार द्वारा राजपत्र मे प्रकाशित अधिसूचना नोटिफिकेशन क्रमांक / एच / पीएफए / नोटिफिकेशन / 2011 / 440 दिनांक 25.7.2011 के अनुसार खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। श्रीमान् आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं निदेशक (जन स्वा.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें राज. जयपुर के आदेश दिनांक 26.10.2014 के अनुसार मुझे कार्य क्षेत्र जिला बारॉ आवंटित किया गया है और जिला बारॉ के अन्तर्गत आने वाले समस्त स्थानीय क्षेत्र मेरे कार्य क्षेत्र मे

Signature Not Verified

Digitally signed by Mohammed Abubakr
Date: 2020.11.02 10:58:35 IST
Reason: SelfAttested

यह कि आवेदक द्वारा निरीक्षण किया जहॉ पर खाद्य पदार्थ **रिफाइंड सोयाबीन तेल की 30 कि.ग्रा. की केन** आम जनता को विक्रय किये जाने हेतु रखी हुई थी। मैंने अपना परिचय पत्र दिखाकर परिचय दिया एवं विक्रेता से परिचय लिया। विक्रेता से मौके पर खाद्य पदार्थ **रिफाइंड सोयाबीन तेल की 30 कि.ग्रा. की केन** में मिलावटी व मिथ्याछाप का शक होने पर नमूना लेने हेतु विक्रेता को अवगत कराया गया तत्पश्चात नमूना वास्ते जांच हेतु लेने की सूचना फार्म नं0 5ए की प्रति स्वतंत्र गवाह की उपस्थिति मे तैयार कर विक्रेता को देकर प्राप्ति रसीद ली। जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी बारॉ द्वारा खाद्य पदार्थ **रिफाइंड सोयाबीन तेल (खुला)** वास्ते नमूना जांच हेतु **1600 मि.ग्रा.** खरीदा, जिसकी कीमत श्री विनोद कुमार पुत्र पुरषौत्तम अग्रवाल (मौके पर मौजूद विक्रेता) को 128/– रूपये (अक्षरे एक सौ अट्ठाईस रूपये) नगद देकर रसीद प्राप्त की, जिस पर विक्रेता के हस्ताक्षर है तथा उपस्थित गवाहान के हस्ताक्षर करवाये एवं तस्दीक कर स्वंय आवेदक ने हस्ताक्षर किये। जिसकी प्रति आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक ने खरीदशुदा खाद्य पदार्थ **रिफाइंड सोयाबीन तेल (खुला) 1600 मि.ग्रा.** को चार नमूना भागो मे अलग–अलग कर साफ सूखी स्वच्छ कॉच की शीशीयो मे बराबर बराबर भरकर प्रत्येक शीशीयों को ढक्कन लगाकर ऐयरटाईट बन्द किया तथा लेबल तैयार कर प्रत्येक नमूने भाग पर चिपकाये और लेबलो पर डी.ओ. के कोड एवं क्रमांक ए.एच.–992 दर्ज किया। प्रत्येक लेबल पर स्वयं ने हस्ताक्षर किये एवं मालिक तथा गवाहन के हस्ताक्षर कराये। चारों नमूना भागों को अलग–अलग कागज में लपेट कर प्रत्येक नमूना भाग पर डी.ओ. बारां की हस्ताक्षरशुदा पेपर स्लिप नं. ए.एच.–992 नियमानुसार चारो नमूना भागों पर नीचे से उपर तक फेविकोल से चिपकाकर प्रत्येक भाग को धागे से बांध कर नियमानुसार सील चपडी किया। प्रत्येक नमूना भाग पर मालिक के हस्ताक्षर नियमानुसार इस प्रकार करवाये कि पेपर स्लिप व रेपर दोनो पर आवे एवं सीलबन्द नमूनों पर गवाह के हस्ताक्षर कराकर नमूने का पूर्ण विवरण लिखकर मेरे द्वारा हस्ताक्षर कर चारों नमूना भागों को अपने जाप्तें में लिया।

आवेदक ने मौके पर फर्द रिपोर्ट तैयार कर विक्रेता एवं गवाहान को पढकर सुनाकर एवं समझाकर हस्ताक्षर करने को कहा, जिसे श्री विनोद कुमार पुत्र पुरषौत्तम अग्रवाल ने भी पढकर समझकर व सही मानकर हस्ताक्षर किये।

आवेदक ने कार्यालय पहुंच कर फार्म नं. 6 की प्रतियॉ तैयार की और प्रत्येक पर वह नमूना सील लगाई जिससे नमूना सील किया। एक नमूना भाग मय फार्म नं0 6 की प्रति के आउटर कवर मे सीलबन्द कर सील मोहर कर एवं एक प्रति फार्म नं0 6 की अलग से सील्ड लिफाफे मे स्वंय द्वारा जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला, कोटा को जमा कराकर रसीद प्राप्त की। जो आवेदन के साथ संलग्न है। दो सील बन्द नमूना भाग मय फार्म सं0 6 की दो प्रतियों के आउटर कवर में सील बन्द कर तथा नमूने का चौथा भाग मय फार्म नं0 6 की प्रति के अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) एवं मुख्य चिकित्या एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बारां को जमा कराकर रसीद प्राप्त की जो न्यायनिर्णयन आवेदन के साथ संलग्न है।

आवेदक खाद्य सुरक्षा अधिकारी को अभिहित अधिकारी (खाद्य सुरक्षा) मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बारॉ के पत्र क्रमांक/एफएसएसए/2019/474 दिनांक 13.12.2019 से ज्ञात हुआ कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट क्रमांक 578/FSSA/Kota Act /2019/666 दिनांक 04.12.2019 के अनुसार विक्रेता द्वारा वास्ते नमूना जांच विक्रय किये गये, खाद्य पदार्थ **रिफाइंड सोयाबीन तेल (खुला)** खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 व विनियम 2011 की धारा 26 की उपधारा (2)(II) के तहत **मिथ्याछाप (Misbrand** पाया गया। रिपोर्ट आवेदन के साथ संलग्न है।

Signature Not Verified

Digitally signed by Mohammed
Abubakr
Date: 2020.11.02 10:58:35 IST
Reason: SelfAttested

आवेदक ने अनुसंधान हेतु मैसर्स श्री विनोद कुमार पुत्र पुरषौत्तम अग्रवाल जिला बारां से पत्रांक 475 दिनांक 13.12.2019 से सूचना चाही गई जिसकी पालना में मैसर्स श्री विनोद कुमार पुत्र पुरषौत्तम अग्रवाल जिला बारां द्वारा प्रतिउत्तर में खाद्य अनुज्ञा पत्र एवं जीएसटी की प्रति कार्यालय में पेश की गई।

इस पर प्रकरण दिनांक 01.06.2020 को दर्ज रजिस्टर किया जाकर, अप्रार्थीगण को जर्ये रजिस्टर्ड सम्मन से तलब किया गया। अप्रार्थी क्रम 1 स्वयं उपस्थित रहा है। अप्रार्थी क्रम 2 बावजूद सूचना के अनुपस्थित रहने पर उसके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही अमल में लायी गई। अप्रार्थी क्रम 1 द्वारा प्रकरण मे जवाब प्रस्तुत नही कर अन्तिम बहस सुनी जाने हेतु निवेदन करने पर, प्रकरण मे अप्रार्थी क्रम 1 का जवाब बन्द किया जाकर, प्रकरण मे उभयपक्ष की अंतिम बहस सुनी गई।

दौराने बहस राजस्थान सरकार जर्ये प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी बारां ने आवेदन में अंकित तथ्यों को दोहराया तथा कथन किया कि अप्रार्थी द्वारा जिस खाद्य पदार्थ **रिफाइंड सोयाबीन तेल (खुला)** को वास्ते नमूना जांच हेतु विक्रय किया गया था, वह जॉच रिपोर्ट में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 व विनियम 2011 की धारा (2) (ा) के तहत **मिथ्याछाप (Misbranded)** होना पाया गया। अप्रार्थी का उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 की धारा 26 की उप धारा 2(ा) के तहत अपराध की श्रेणी मे आता है। जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 की धारा 52 में निर्धारित है। अतः अप्रार्थी को भारी से भारी जुर्माने से दण्डित किया जावे।

इसके विपरीत अप्रार्थी क्रम 1 द्वारा स्वयं उपस्थित होकर कहा गया कि मेरी दुकान से खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा **रिफाइंड सोयाबीन तेल (खुला) 1600 मि.ग्रा.** वास्ते नमूना जॉच हेतु खरीदा था। जिसमे मेरे द्वारा किसी भी प्रकार की कोई मिलावट नही की गई है। जाँच रिपोर्ट अनुसार जो त्रुटि की गई है वो कम्पनी की है। मेरे पास उक्त तेल के क्रय करने के बिल इत्यादि थे जो पत्रावली में संलग्न है। अतः अप्रार्थी क्रम 1 के विरूद्व प्रस्तुत की गई कार्यवाही निरस्त फरमायी जावे।

इसके विपरीत प्रार्थी राजस्थान सरकार जर्ये खाद्य सुरक्षा अधिकारी बारॉ द्वारा कहा गया कि अप्रार्थी क्रम 1 यदि खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट क्रमांक 578/FSSA /Kota /Act /2019/666 दिनांक 04.12.2019 से असन्तुष्ट था, तो अप्रार्थी क्रम 1 को जर्ये पत्र सूचित किया जाकर एक माह का समय दिया गया था कि उक्त सेम्पल की पुनः जॉच करवाये। किन्तु अप्रार्थी क्रम 1 द्वारा उक्त सेम्पल की पुनः जॉच नही करवायी गई है।

मेरे द्वारा प्रकरण मे उभयपक्ष की बहस सुनी और पत्रावली का आद्योपान्त अवलोकन एवं मनन/विश्लेषण करने पर पाया गया कि अप्रार्थी से वास्ते नमूना जॉच हेतु क्रय किया गया खाद्य पदार्थ **रिफाइंड सोयाबीन तेल (खुला)** खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला, कोटा से प्राप्त जांच रिपोर्ट क्रमांक 578/FSSA /Kota /Act /2019/666 दिनांक 04.12.2019 के अनुसार, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 व विनियम 2011 की धारा (2) (ा) के तहत **मिथ्याछाप (Misbranded)** होना पाया गया। उक्त कृत्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 की धारा 26 की उपधारा 2 (ा) के अन्तर्गत अपराध की श्रेणी मे आता है। जिसका जुर्माना खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 एवं विनियम 2011 की धारा 52 के तहत, अप्रार्थी क्रम 1 की राशि 3,000/– रूपये एवं अप्रार्थी क्रम 2 को 8,000/– रूपये पत्रावली में कुल जुर्माना राशि 11,000/– रूपये (अक्षरे ग्यारह हजार रूपये मात्र) के

Signature Not Verified
Digitally signed by Mohammed Abubakr
Date: 2020.11.02 10:58:35 IST
Reason: SelfAttested

आर्थिक जुर्माने के दण्ड से दण्डित किया जाता है। अप्रार्थीगण उक्त जुर्माना राशि ई–मित्र सेवाकेन्द्र से चालान निकलवाकर, जर्ये चालान बैंक मे **निर्धारित मद 0210 चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य, 04 लोक स्वास्थ्य, 800 अन्य प्राप्तियां, 03 खाद्य सुरक्षा कानून के अन्तर्गत अनुज्ञा पत्र शुल्क आदि** में जमा करवाकर, चालान की प्रति इस न्यायालय मे अन्दर एक माह प्रस्तुत करे। प्रकरण में अप्रार्थी क्रम 2 के इस न्यायालय में बावजूद सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण इस न्यायालय द्वारा पारित निर्णय की सत्य प्रतिलिपि अप्रार्थी क्रम 2 को जर्ये तहरीर रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से पालनार्थ भिजवायी जावें।

निर्णय आज दिनांक 05.08.2020 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर, खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(मोहम्मद अबूबक्र)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अति0 जिला मजिस्ट्रेट, बारॉ (राज.)

Signature Not Verified

Digitally signed by Mohammed Abubakr
Date: 2020.11.02 10:58:35 IST
Reason: SelfAttested